

26/11/24

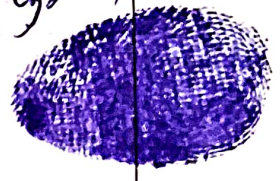
पञ्जावली आण उकपपककारण ते शीघ्र सुमवाडे
 ते शर्येना फा पर प्रदुत दुही उकपपककारण.
 मम अधिवक्तागण मायालय हाता ते
 समुप्य हाजिर आण । सली ने गिलनर
 कादग्रह आरामा ते संकथ ते शरीनाम
 प्रदुत डिजा । वादीनाम ते वारे मे पूछराछ
 कर शरीनाता शामिल करील डिजा गण्य
 सली पककारण ते शरीनाम पर लप
 कादेशिका पर हस्ताकर करवाण गण ।
 शरीनाम का विधिक प्रावधाना ते गण
 अवलोकन डिजा गण । वादी लप पुतेवादी
 गण दुस्सिम धर ते संकथ रखत. १

(अंजना सहरावत)
 उपखण्ड अधिकारी अन्ता
 जिला वारा (सजद)

सलमान रान



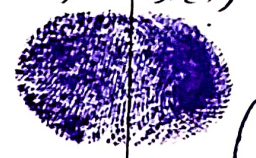
शुभा



रिमा



श्री क शकील



पहवा

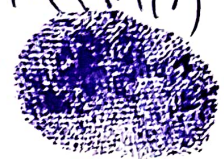
(Signature)

वकील एवं प्रतिवादी क्र 2 व 3 प्रतिवादी क्र 1 के कायम वारिस हैं, मुस्लिम स्वीय विधि के अनुसार "एक मुस्लिम काश्तकार के जीवन काल में कोई भी व्यक्ति उसके होने वाले उत्तराधिकार के कय में समा नहीं जा सकता है" वकील के स्वीय विधि के अनुसार प्रत्येक मुस्लिम काश्तकार की संपत्ति उसकी स्वकीय संपत्ति की तरह शेर होगी, वारिस के कय में विसस खातेदार के निर्वसीयत करने की इशा में उसके उत्तराधिकारियों को स्वीय विधि के अनुसार उस हक की बात के उनका हक

मिलेगा। क्र: प्रस्तुत राफीनामा स्वीय विधि के विकृष्ट होने के कारण स्वीकार योग्य नहीं होने के कारण खरिफ कर कस्बीकार डिमा जा रहा है। क्र: दस्तगत वाद खरिफ डिमा जा रहा है निजीय सरे इफलास पदकर हुनामा गल्ल। फावली कलल शुमार होकर नम्बर 2000 है।

(अंजना सहरावत)
उपखण्ड अधिकारी अन्त
जिला बारा (राज०)

श्री. (राम)



माजमा

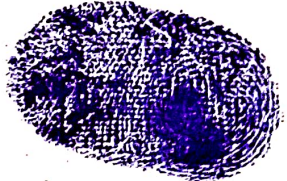


नाजिया

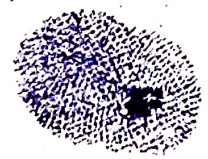


पद-पावकत

साही
श्री. राम



मनोप



2000

2000